होम / होम /
जीवन की पुस्तक

जीवन की पुस्तक

जीवन की पुस्तक क्या है?
प्रकाशितवाक्य 20:11-15
11 फिर मैं एक बड़ा सफेद सिंहासन देखा और उस पर बैठा हुआ था; और पृथ्वी और आकाश उसके सामने भाग गए, और उनका स्थान नहीं मिला।
12 मैंने मरे हुए लोगों को देखा, बड़े और छोटे, सिंहासन के सामने खड़े; और पुस्तकें खोली गईं, और एक अन्य पुस्तक खोली गई, जो जीवन की पुस्तक थी; और मरे हुए लोगों को उनके कामों के अनुसार उन पुस्तकों में जो लिखा था, उसी के अनुसार न्याय किया गया।
13 समुद्र ने उन मृतकों को बाहर किया जो उसमें थे; और मृत्यु और शत्रुता ने अपने में जो थे, उन्हें बाहर किया। और हर किसी को उनके कामों के अनुसार न्याय मिला।
14 मृत्यु और शत्रुता को आग की झील में फेंक दिया गया। यह दूसरी मृत्यु है, अर्थात् आग की झील।
15 और अगर कोई नाम जीवन की पुस्तक में नहीं पाया गया, वह उसी आग की झील में फेंक दिया गया।

आमीन! यदि हम ऊपर दी गई आयतों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें, तो देखेंगे कि अंतिम न्याय के दिन जब हमारे प्रभु यीशु सिंहासन पर बैठकर लोगों का न्याय करेंगे, तब मुख्य रूप से दो प्रकार की पुस्तकें होंगी: जीवन की पुस्तक और अन्य पुस्तकें। यहां स्पष्ट रूप से दिखता है कि जीवन की पुस्तक केवल एक ही है। लेकिन साथ ही अन्य पुस्तकें भी हैं, जो कई हैं। आइए संक्षेप में देखें कि ये पुस्तकें कौन-सी हैं।

जीवन की पुस्तक क्या है? और यह क्या प्रकट करती है?

1) जीवन की पुस्तक:
जैसा कि नाम से स्पष्ट है, यह वह पुस्तक है जो जीवन का विवरण देती है। जैसे अंकगणना की पुस्तक गणितीय तरीकों को बताती है, भूगोल की पुस्तक भूगोल से संबंधित जानकारियाँ देती है, उसी तरह जीवन की पुस्तक जीवन की सच्चाई और मार्गदर्शन देती है। हम जानते हैं कि किसी भी पुस्तक में कई पृष्ठ होते हैं।

इस संसार की सभी पुस्तकें केवल इस दुनिया के नियमों और घटनाओं का विवरण देती हैं। लेकिन किसी भी पुस्तक ने मानव जीवन के सच्चे जीवन को समझाया नहीं—सिवाय बाइबिल के। इसलिए, वह जीवन की पुस्तक जिसका यहां जिक्र है, वही बाइबिल, परमेश्वर का वचन है।

2) अन्य पुस्तकें:
बाइबिल में उल्लेख है कि ये कई हैं। ये मानव की बनाई हुई पुस्तकें हैं, जो केवल मानव की सीमित जानकारियाँ देती हैं, जैसे किसी व्यक्ति के जन्म से मृत्यु तक की घटनाओं का विवरण। इनमें भी पृष्ठ होते हैं—मानव द्वारा अनुभव की गई घटनाओं का क्रम। लेकिन इनमें जीवन नहीं है। केवल जीवन की पुस्तक में वास्तविक जीवन का विवरण है। यही कारण है कि सभी अन्य पुस्तकें इसी जीवन की पुस्तक पर निर्भर होती हैं।

इसलिए जीवन की पुस्तक हमें नियम और प्रक्रियाएँ बताती है कि मनुष्य को इस धरती पर किस प्रकार जीवन जीना चाहिए ताकि वह उस सच्चे जीवन को प्राप्त कर सके। इसलिए जब हम अपने जीवन का रिकॉर्ड लिखते हैं, तो इसे जीवन की पुस्तक यानी बाइबिल के अनुरूप होना चाहिए। बचपन से लेकर हमारी मृत्यु तक हमारा जीवन ऐसा होना चाहिए कि वह जीवन की पुस्तक से मेल खाए। तभी हमारा नाम जीवन की पुस्तक में दर्ज होगा।

आप अपने जीवन की पुस्तक कैसे लिख रहे हैं? समय तेजी से बीत रहा है। यह मत सोचिए कि “मैं यीशु को स्वीकार करूंगा” या “मैं कुछ

विशेष उम्र या स्थिति तक पवित्र जीवन जिऊँगा।” अभी तक आपका जीवन लगातार लिखा जा रहा है। पृष्ठ खुलते और बंद होते जा रहे हैं, और समय के गुजरने के साथ अचानक आपका जीवन समाप्त हो सकता है।

न्याय के दिन, जीवन की पुस्तक खोली जाएगी, और आपके जीवन की अन्य पुस्तक भी। उनकी तुलना की जाएगी—क्या वे मेल खाते हैं या नहीं। यही वह दिन है जब आपका नाम पक्का होगा। यदि आपका नाम नहीं दिखता, तो इसका मतलब है कि आपका जीवन उस जीवन की पुस्तक के अनुरूप नहीं है, और उसका स्थान आग की झील में होगा।

एक ईसाई के रूप में हमें हर दिन अपने जीवन की तुलना बाइबिल से करनी चाहिए। क्या हम जो कर रहे हैं, वह जीवन की पुस्तक के अनुरूप है? यदि नहीं—जैसे व्यभिचार, शराबखोरी, झूठ, मूर्तिपूजा, चोरी, भ्रष्टाचार, अनैतिक व्यवहार—तो हमें तुरंत सुधार करना चाहिए।

प्रकाशितवाक्य 21:27
“और उसमें कभी भी कोई भी अशुद्ध या जो घृणा और झूठ करता है,
वह प्रवेश नहीं करेगा, केवल वे लोग जो मेष का बच्चा के जीवन
की पुस्तक में लिखे गए हैं।”

याद रखें, जीवन की पुस्तक एक दिन में नहीं लिखी जाती। यह आपके सम्पूर्ण जीवन का परिणाम है। इसे केवल आज़माने या एक दिन में सुधारने की बात नहीं।

लूका 9:23
“फिर वह सभी से कहा, ‘यदि कोई मुझसे चलना चाहता है, तो वह
स्वयं को नकारे, और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे आए।'”

सुनिश्चित करें कि आप अपने जीवन को भगवान के अनुसार लिखें। हर दिन इसे जीवन की पुस्तक के अनुरूप बनाएं। ताकि न्याय के दिन आपका नाम देखा जाए और आप सजा से बचें।

भगवान आपका भला करे!

यदि आप चाहें, मैं इसे और भी सुलभ, प्रेरणादायक शैली में, छोटे पैराग्राफ और बुलेट्स के साथ तैयार कर सकता हूँ, ताकि इसे पढ़ना और समझना आसान हो जाए।

[illegible]?

Share on:
WhatsApp